म्यांमार (MYANMAR)

परिचय :- भारत के पड़ोसी देशों में म्यांमार भी एक महत्वपूर्ण देश है, यह भारत की पूर्वी सीमा पर स्थित है। तथा इसे पैगोडा का देश भी कहा जाता है। यह प्राकृतिक तथा सामाजिक दृष्टिकोण से यह भारत से काफी मिलता जुलता है। क्योंकि म्यांमार में भी हिमालय की ~~....~~ तरह उच्च पर्वतीय क्रम है। तथा म्यांमार भी बौद्ध धर्म का अनुयायी देश है। म्यांमार 1937 से पहले भारत का ही हिस्सा हुआ करता था यह 1937 में भारत से अलग हुआ तथा कुछ वर्षों तक ब्रिटिश साम्राज्य का हिस्सा बन कर रहा और 4 जनवरी 1948 को स्वतंत्र गणराज्य बना। 1989 ई में इसका नाम म्यांमार कर दिया गया। इसका विस्तार 9°30' उत्तरी अक्षांश से लेकर 28°35' उत्तरी अक्षांश तक तथा 92°10' पूर्वी देशांतर से लेकर 101°10' पूर्वी देशांतर के मध्य फैला हुआ है। इसके उत्तर में चीन तथा भारत, दक्षिण में अरब सागर, पूरब में चीन, लाओस तथा थाइलैंड तथा पश्चिम में भारत स्थित है। इसका कुल क्षेत्रफल 676577 वर्ग किलोमीटर है। इसकी राजधानी यंगून है।

धरातल (Surface)

म्यांमार एक पहाड़ी देश है इसके कुल भूमि के 52% भाग पर पहाड़ी का विस्तार

है। म्यांमार के उत्तर से दक्षिण की ओर मोड़दार पर्वत श्रेणियां का विस्तार पाया जाता है। इनमें अराकानयोमा पीगूयोमा तथा शानयोमा प्रमुख पर्वत श्रेणियां है। म्यांमार की धरातलीय रूपरेखा के अनुसार इसे तीन भागों में बाँट कर अध्ययन करते है।

(1) पश्चिमी पर्वतीय प्रदेश

(2) पूर्वी पठारी प्रदेश

(3) मध्यवर्ती मैदानी प्रदेश

(1) म्यांमार के पश्चिमी भाग – में हिमालय पर्वत श्रेणियों की भांति अराकानयोमा पर्वत श्रेणिया फैला हुआ है। अराकानयोमा पर्वत श्रेणिया का विस्तार उत्तर में हिमालय से लेकर द० में नेग्रेस अंतरीप तक भारत – म्यांमार सीमा तथा म्यांमार के प० किनारे तक फैला हुआ है। अराकानयोमा पर्वत श्रेणी भारत तथा म्यांमार के बीच प्राकृतिक सीमा निर्धारित करती है। इस औसत ऊंचाई 3,000 मीटर है। इस पर्वत श्रेणी का सबसे ऊंची शिखर हकाकाबो है। यह एक नवीन मोड़दार पर्वत श्रेणी है। इसकी उत्तरी भाग अधिक ऊंचा तथा दक्षिणी भाग की ऊंचाई कम है।